खबर संक्षेप

भारत-पाक फाइनल पर सियासत गरमाई

कांग्रेस नेता ने खून से लिखा पत्र, मैच के बहिष्कार की मांग

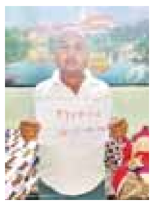

शहडोल। भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले फाइनल मुकाबले को लेकर अब मैदान से ज्यादा राजनीति में गर्मी बढ़ गई है। शहडोल के कांग्रेस नेता शेख़ आबिद ने पाकिस्तान के खिलाफ अनोखे और तीखे विरोध का तरीका अपनाते हुए अपने खून से पत्र लिखकर सरकार और देशवासियों से इस मैच के बहिष्कार की अपील की है।

शेख़ आबिद ने कहा जब पाकिस्तान हमारे वीर जवानों पर गोलिया चला रहा है, हमारे देश की सीमाओं को लहूलुहान कर रहा है, तब उसके साथ क्रिकेट खेलना शहीदों की शहादत का अपमान है। पाकिस्तान से मैच खेलना मतलब शहीदों के खून से खिलवाड़ करना है। यह सिर्फ खेल नहीं, बल्कि राष्ट्र की अस्मिता का सवाल है।

आबिद का यह विरोध किसी पहली बार नहीं है। इससे पहले भी वे पाकिस्तान के खिलाफ कई प्रतीकात्मक विरोध कर चुके हैं, पहले टीवी सेट तोडक़र, फिर सिर मुंडवाकर उन्होंने अपना गुस्सा जाहिर किया था। अब खून से लिखा गया यह पत्र उनके विरोध को एक नया और भावनात्मक मोड़ दे रहा है। उनकी इस मुहिम ने सोशल मीडिया पर जबरदस्त बहस छेड़ दी है। हजारों यूजर्स ने उन्हें समर्थन देते हुए पाकिस्तान के साथ किसी भी तरह के खेल संबंधों को समाप्त करने की मांग की है। अब सवाल यह उठ रहा है कि जब पाकिस्तान बार-बार सीमा पर जख्म दे रहा है, तब क्या खेल के नाम पर उससे मुकाबला करना शहीदों की कुर्बानी का अपमान नहीं? या फिर खेल को राजनीति और भावनाओं से ऊपर रखना चाहिए? भारत-पाक मैच को लेकर शुरू हुई यह बहस अब गली-मोहल्लों से लेकर सोशल मीडिया तक सियासी तूफ़ान बन चुकी है।

विधायक के निवास पर रामचरित मानस पाठ व भंडारे का आयोजन

शहडोल। जिले के ब्यौहारी विधायक शरद जुगलाल कोल के निज निवास ब्योहारी में उनकी सुपुत्री श्रेया के जन्मदिवस के अवसर पर दो दिवसीय धार्मिक आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर 28 सितंबर को रामचरित मानस पाठ का शुभारंभ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु और क्षेत्रवासी शामिल हुए। आयोजन समिति से प्राप्त जानकारी के अनुसार मानस पाठ का समापन 29 सितंबर को किया जाएगा। समापन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन रखा गया है, जिसमें क्षेत्र के सभी नागरिकों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 2 बजे से होगा। विधायक शरद कोल ने बताया कि बेटी के जन्मदिवस को यादगार बनाने के लिए धार्मिक माहौल में यह आयोजन किया गया है ताकि समाज में आध्यात्मिकता और एकता का संदेश दिया जा सके। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

बेटी श्रेया के जन्मदिवस पर आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिल रहा है। रामचरित मानस पाठ के दौरान पूरे वातावरण में भक्ति और आस्था का भाव व्याप्त हो गया है।

अंतरा गांव स्थित 18 भुजाओं वाली अद्भुत प्रतिमा के दर्शन को उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

कंकाली माता मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

शहडोल।

नवरात्रि के पावन पर्व पर पूरा देश देवी आराधना में लीन है। माता रानी के जयकारों से गूंजते मंदिर, सजे-धजे पंडाल और रोशनी से जगमगाती गलियां इस बात की गवाही दे रही हैं कि भक्तिभाव का यह उत्सव केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि श्रद्धा और संस्कृति का प्रतीक बन चुका है। इसी धार्मिक उल्लास के बीच जिले के अंतरा गांव स्थित प्रसिद्ध कंकाली माता मंदिर में इन दिनों भक्तों का सैलाब उमड़ रहा है। यह मंदिर न केवल अपनी अद्भुत 18 भुजाओं वाली प्रतिमा के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यहां से जुड़ी रहस्यमयी मान्यताएं इसे और भी अलौकिक बनाती हैं।

कलचुरी काल की अद्वितीय धरोहर

जिला मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित कंकाली माता मंदिर का इतिहास 9वीं-10वीं शताब्दी का बताया जाता है। इतिहासकारों के अनुसार इस मंदिर का निर्माण कलचुरी नरेश युवराज देव प्रथम और राजा कर्णदेव के काल में हुआ था। उस समय यह मंदिर 64 योगिनी साधना केंद्र के रूप में प्रसिद्ध था। यहां तंत्र साधना करने वाले साधक देशभर से एकत्र होते थे। कालांतर में जब मंदिर आंशिक रूप से ध्वस्त हुआ, तो चौसठ योगिनियों की कई मूर्तियां अलग-अलग स्थानों पर चली गईं, जिनमें से 20 प्रतिमाएं धुबेला संग्रहालय (मऊ) और 5 प्रतिमाएं कोलकाता संग्रहालय में सुरक्षित रखी गई हैं। शेष मूर्तियां आज भी मंदिर परिसर में देखी जा सकती हैं।

मनोकामनाएं पूर्ण करने वाली माता

स्थानीय श्रद्धालुओं का विश्वास है कि मां कंकाली हर मनोकामना को पूर्ण करती हैं। मंदिर परिसर में नारियल बांधने की प्रथा इसका जीवंत उदाहरण है। भक्त माता से अपनी अर्जी लगाकर लाल कपड़े में नारियल बांधते हैं। जब मन्नत पूरी होती है, तो वे नारियल फोडक़र पुनः धन्यवाद देने लौटते हैं। मंदिर के पुजारी बताते हैं कि कई बार भक्त वर्षों बाद लौटते हैं, लेकिन मां के दरबार से कोई खाली नहीं जाता।

नवरात्रि में भक्तिभाव का महासंगम

नवरात्रि के 09 दिनों में मंदिर का स्वरूप भव्य और अलौकिक बन जाता है। सुबह से लेकर देर रात तक माता रानी के जयकारे गूंजते रहते हैं। ज्योतिषाचार्य और मंदिर के प्रमुख पुजारी बताते हैं कि नवरात्रि के दौरान यहां विशेष तंत्र पूजा और नवदुर्गा आराधना होती है। जो भी श्रद्धालु पूरे विधि-विधान से साधना करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इन 09 दिनों में मंदिर में दर्शनार्थियों की भीड़ इतनी बढ़ जाती है कि श्रद्धालुओं की कतारें मुख्य मार्ग तक पहुंच जाती हैं। माता की आरती और भजन संध्या में भक्तों का उत्साह देखते ही बनता है। बैठकी से लेकर नवमी तक आस्था का यह प्रवाह थमता नहीं।

अद्भुत प्रतिमा, दिव्य अनुभव

कंकाली माता की प्रतिमा कलचुरी कालीन शिल्पकला का अद्वितीय उदाहरण है। माता के 18 भुजाएं हैं, जिनमें वे विभिन्न आयुध धारण किए हुए हैं। प्रतिमा के शेर वाहन के साथ बना हुआ चित्रण अत्यंत प्रभावशाली है। भक्तों का कहना है कि प्रतिमा के दर्शन मात्र से मन को अद्भुत शांति और शक्ति का अनुभव होता है।

सांप करते हैं माता की पहरेदारी

कंकाली माता मंदिर का रहस्यमयी पक्ष भी लोगों में कौतूहल का विषय बना रहता है। स्थानीय श्रद्धालुओं के अनुसार रात में जब मंदिर के पट बंद हो जाते हैं, तब माता की पहरेदारी स्वयं सर्प करते हैं। पुजारियों का कहना है कि देर रात मंदिर के गर्भगृह के आस-पास सांप दिखाई देते हैं, जो सुबह होते ही स्वयं लुप्त हो जाते हैं। कई बार दोपहर के समय भी जब मंदिर बंद होता है, तब सर्पों को द्वार पर लिपटे देखा गया है। स्थानीय लोग मानते हैं कि ये सर्प माता के दिव्य प्रहरी हैं, जो मंदिर की पवित्रता की रक्षा करते हैं।

वनराज के पदचिह्नों की गवाही

नवरात्रि के पंचमी दिवस से जुड़ी एक और रहस्यमयी मान्यता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि उस दिन वनराज (सिंह) स्वयं माता के दर्शन के लिए आते हैं। यद्यपि किसी ने उन्हें प्रत्यक्ष नहीं देखा, लेकिन सुबह मंदिर के प्रांगण में सिंह के पदचिह्न कई बार देखे गए हैं। पुजारी बताते हैं कि यह घटना कोई चमत्कार नहीं, बल्कि माता की दिव्यता का प्रमाण है।

अधर्म पर धर्म की विजय

नवरात्रि का पर्व केवल पूजा का अवसर नहीं, बल्कि सत्य, धर्म और साहस की विजय का प्रतीक है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जब महिषासुर के अत्याचारों से पृथ्वी कांप उठी थी, तब देवी दुर्गा ने शेर पर सवार होकर उसका वध किया और देवताओं को विजय दिलाई। तभी से यह पर्व असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में मनाया जाता है। रामायण के अनुसार, इन दिनों में भगवान राम ने रावण वध से पूर्व देवी की आराधना की थी, इसलिए यह पर्व शक्ति की उपासना का द्योतक है।

अंतरा गांव बना श्रद्धा का केंद्र

नवरात्रि के अवसर पर अंतरा गांव का दृश्य अत्यंत मनमोहक होता है। चारों ओर सजावट, दीपों की ज्योति और भक्तों की भीड़ इस पावन स्थल को आस्था के महासागर में बदल देती है। ग्रामीण और शहरी दोनों ही लोग यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मंदिर के आस-पास मेला सजता है, जहां झूले, प्रसाद, खिलौने और भजन मंडलियां भक्तों के आनंद का केंद्र बनते हैं।

मां कंकाली की महिमा अपरंपार

माना जाता है कि जो भक्त सच्चे मन से मां कंकाली के चरणों में नतमस्तक होता है, उसकी हर समस्या का अंत होता है। भक्तों का विश्वास है कि माता केवल मनोकामना ही नहीं, बल्कि जीवन में आने वाले संकटों को भी दूर करती हैं। यही कारण है कि कंकाली माता मंदिर आज केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि श्रद्धा, इतिहास और रहस्य का संगम बन चुका है। इस नवरात्रि में कंकाली माता मंदिर जिले का आध्यात्मिक केंद्र बन गया है, जहां धर्म, आस्था और संस्कृति एक ही छत्रछाया में झूम उठी है।

नि:शुल्क दंत परीक्षण शिविर का आयोजन

शहडोल। शनिवार को प्रजापति ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय सिंहपुर रोड द्वारा डॉ. झलक गांधी के सहयोग से सिंहपुर स्थित निजी स्कूल में निःशुल्क दंत परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विद्यालय के सभी विद्यार्थियों के दांतों की जांच की गई तथा आवश्यकतानुसार दवाइयों का वितरण भी किया गया। डॉ. झलक गांधी ने बच्चों को दांतों की देखभाल, साफ-सफाई और खानपान से जुड़ी सावधानियों के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दांतों की नियमित सफाई और समय पर जांच से कई बड़ी बीमारियों से बचा जा सकता है। बच्चों ने भी इस जानकारी में गहरी रुचि दिखाई और प्रश्न पूछकर अपने संदेह दूर किए। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती सोनम चतुर्वेदी ने डॉ. झलक गांधी सहित बीके पंकज भाई एवं बीके रश्मि बहन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस प्रकार के स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों को बच्चों के समग्र विकास हेतु आवश्यक बताया। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ और अभिभावकगण भी उपस्थित रहे।

बास्केटबॉल प्रतियोगिता में अनुष्का-आराध्या चयनित

शहडोल। सब जूनियर बालिका ओपन राष्ट्रीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में शहडोल जिले की अनुष्का करंगले और आराध्या द्विवेदी को चयन किया गया है। बास्केटबॉल के कोच श्री के.के. श्रीवास्तव ने जानकारी दी है कि सब जूनियर ओपन राष्ट्रीय प्रतियोगिता देहरादून में 4 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक खेली जानी है, इसके पहले इंदौर में 26 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक राष्ट्रीय कैंप होगा। इस प्रशिक्षण कैंप में शहडोल संभाग की दो खिलाड़ी भाग लेंगी। उन्होंने बताया कि इसके पहले भी दोनों खिलाडिय़ों ने स्कूल नेशनल गेम्स में भी सहभागिता की है। अनुष्का 2023 में मध्य प्रदेश में चयनित होकर राष्ट्रीय प्रतियोगिता राजस्थान बाड़मेर में 14 वर्ष बालिका की राष्ट्रीय टीम में शामिल थी ,और आराध्या द्विवेदी 2024 में मध्य प्रदेश की टीम से खेलते हुए 14 वर्ष बालिका टीम में जो राजनंदगांव छत्तीसगढ़ में आयोजित की गई थी, में भाग लिया था।

आतिशबाजी विक्रय के लिए दिशा-निर्देश जारी

शहडोल। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. केदार सिंह ने दीपावली पर्व के मद्देनजऱ जिले में आतिशबाजी विक्रय के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सभी उपखंड मजिस्ट्रेटों को निर्देशित किया गया है कि पुराने लाइसेंस नवीनीकृत न करें, बल्कि शासन के नए निर्देशों के तहत ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन लेकर थाना प्रभारी के संयुक्त प्रतिवेदन सहित कलेक्टर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

शहडोल शहर में आतिशबाजी विक्रय हेतु सुरक्षित स्थल का चयन उपखंड अधिकारी (सोहागपुर), नगर पालिका, पुलिस अधीक्षक एवं अन्य विभागों की संयुक्त टीम द्वारा कर 15 अक्टूबर तक ले-आउट स्वीकृत कराया जाएगा। इसी तिथि तक पूरे जिले में सुरक्षित स्थानों की स्वीकृति प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाएगी। अस्थायी अनुज्ञप्तिधारियों को 15 से 20 अक्टूबर 2025 के बीच अनुज्ञप्तियां जारी की जाएंगी। प्रत्येक दुकान के बीच न्यूनतम तीन मीटर की दूरी अनिवार्य होगी और सभी शेड अग्निरोधी सामग्री से निर्मित होंगे। दुकानों में तेल के दीये या खुली लौ का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। एक परिसर में 50 से अधिक दुकानें नहीं लगेंगी। नाबालिगों को पटाखों की बिक्री व विक्रय स्थल पर प्रदर्शन वर्जित रहेगा। हर दुकान के सामने बालू और पानी की बाल्टियां अनिवार्य रूप से रखी जाएंगी तथा परिसर में 24 घंटे फायर ब्रिगेड की सुविधा सुनिश्चित की जाएगी। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा है कि बिना लाइसेंस आतिशबाजी विक्रय करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अवैध शराब का गोरखधंधा चरम पर, आबकारी विभाग मौन

मानपुर।

अवैध शराब बिक्री तहसील क्षेत्र में खुलेआम जारी है, जबकि आबकारी विभाग ने चुप्पी साध रखी है। शराब ठेकेदारों और उनके कथित गुर्गों द्वारा गांव-गांव शराब की खेप पहुंचाई जा रही है, जिससे ग्रामीणों का जीवन नारकीय हो गया है। हर गांव में दो से तीन अवैध ठीहे संचालित हैं, जहां शराब आसानी से उपलब्ध है।

मानपुर, गोवर्दे, खिचकिडी, सिगुड़ी, दुलहरा, कछौहा, कठार, बिजौरी, रक्सा, सेमरा, पटेहरा, लखनौटी, कुठुलिया, मझौली, पनपथा सहित दर्जनों गांवों में यह कारोबार फल-फूल रहा है। विभागीय अधिकारियों को जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई नहीं की जा रही, जिससे अवैध धंधे को परोक्ष संरक्षण मिल रहा है। बिना अनुमति चल रहे शराब अहातों में दिनदहाड़े शराब सेवन और झगड़ों की घटनाएं आम हैं। स्थानीय पुलिस कभी-कभार औपचारिक कार्रवाई करती है, परंतु आबकारी विभाग पूरी तरह निष्क्रिय बना हुआ है।

ग्रामीणों का कहना है कि अवैध शराब बिक्री से घरेलू विवाद, झगड़े और अपराध तेजी से बढ़े हैं। उन्होंने कलेक्टर धर्मेंद्र कुमार जैन और आबकारी विभाग से मांग की है कि क्षेत्र में सक्रिय अवैध ठिकानों पर तत्काल कार्रवाई कर इस बढ़ते सामाजिक संकट पर रोक लगाई जाए।

इनका कहना है...

आपके द्वारा जानकारी दी गई है हम निश्चित ही कार्यवाही करेंगे।

दिनकर सिंह तिवारी
उपनिरीक्षक
आबकारी विभाग, उमरिया

बच्चों के बीमार होने पर लें डॉक्टर की सलाह दागना प्रथा स्वास्थ्य के लिए हानिकारक

शहडोल। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम अंतर्गत पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियो द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समाज में व्याप्त कुरीतियो के प्रति लोगो को जागरूक किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियो ने कहा कि बच्चों के बीमार होने पर डॉक्टरो की सलाह लें, बीमारियों के उपचार हेतु दागना अंधविश्वास है और यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। उन्होंने संदेश दिया कि दहेज प्रथा सामाजिक अभिशाप है, बाल विवाह बच्चों के अधिकारों का हनन है, जबकि बालिका शिक्षा समाज की प्रगति की कुंजी है। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बाल विवाह, बालिका शिक्षा, घरेलू हिंसा, गोदना, झाड़-फूंक जैसी अन्य सामाजिक कुरीतियों के संबंध में भी जागरूक किया गया। नुक्कड़ नाटक में प्रो. नीलिमा खरे, विजिटिंग फैकल्टी नितिन गर्ग, सिद्ध श्री राकेश मिश्रा, कल्याणी, अर्पित दुबे, सहायक प्राध्यापक सिद्धार्थ मिश्रा, एमएसडब्ल्यू तृतीय सेमेस्टर की आंचल शर्मा, पुष्पलता सिंह, पूजा सिंह, वंदना, अंजली गौतम, भारती, आयुष मिश्रा, कोमल द्विवेदी आदि छात्राओ की अहम भूमिका रही।

पुलिस की वर्दी में इंसानियत

बुढार थाना प्रभारी ने कराया अंतिम संस्कार

शहडोल। आमतौर पर पुलिस पर कठोरता और आरोपों की चर्चाएं होती हैं, लेकिन जिले के बुढार थाना प्रभारी संजय जायसवाल ने ऐसा उदाहरण पेश किया, जिसने वर्दी के भीतर छिपे इंसानियत और संवेदना के असली रूप को सामने ला दिया। घटना शनिवार सुबह की है, उड़ीसा के जाजपुर जिले के ग्राम सुकरण निवासी 65 वर्षीय रोईबो महतो अपने बेटे के साथ दमोह से उत्कल एक्सप्रेस में सवार होकर उड़ीसा लौट रही थीं। बुढार थाना क्षेत्र अंतर्गत रेलवे साइडिंग के पास अचानक वे ट्रेन से गिर पड़ीं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी संजय जायसवाल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आवश्यक पंचनामा व कार्यवाही पूरी की। मृत महिला के बेटे ने थाना प्रभारी से भावुक निवेदन किया कि मां का अंतिम संस्कार यहीं बुढार में हिंदू रीति-रिवाज से कराया जाए, क्योंकि शव को उड़ीसा ले जाना संभव नहीं है। बेटे की इस अपील पर थाना प्रभारी जायसवाल ने तत्काल मानवीय निर्णय लेते हुए न सिर्फ अनुमति दी, बल्कि स्वयं आगे बढक़र अंतिम संस्कार की पूरी व्यवस्था करवाई। बुढार पुलिस द्वारा पूरे सम्मान के साथ किए गए अंतिम संस्कार की खबर फैलते ही स्थानीय नागरिकों में भावनात्मक माहौल बन गया। लोगों ने इस कदम की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह घटना बताती है, वर्दी केवल कानून की सख्ती नहीं, बल्कि इंसानियत की पहचान भी है। थाना प्रभारी संजय जायसवाल का यह मानवीय कदम पुलिस सेवा के उस पहलू को उजागर करता है, जो समाज में विश्वास, करुणा और जिम्मेदारी का प्रतीक है। बुढार की इस घटना ने यह संदेश दिया कि पुलिस केवल सुरक्षा की शक्ति नहीं, बल्कि इंसानियत की सबसे मजबूत ढाल भी है।

बेटे ने मुर्गा न मिलने पर पिता की पीट-पीटकर की हत्या

शहडोल। जिले से एक दिल दहला देने वाली वारदात ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है। सोहागपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जमुआ में एक बेटे ने सिर्फ मुर्गा न मिलने की बात पर अपने ही पिता की लाठी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। भक्ति और सद्भाव के पर्व के बीच घटी यह घटना इंसानियत को झकझोर देने वाली है। जानकारी के अनुसार, ग्राम जमुआ निवासी सुदामा बैगा ने घर पर खाने के लिए मुर्गा बनाया था। इस दौरान उनका बेटा करण बैगा भी मुर्गा खाने की जिद करने लगा। पिता ने जब उसे मना किया, तो करण आगबबूला हो गया और गुस्से में पास में रखी लाठी से पिता पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। वार इतने गंभीर थे कि सुदामा बैगा की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही सोहागपुर पुलिस मौके पर पहुँची, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया गया।

पड़ोसी और ग्रामीण इस घटना से हैरान और व्यथित हैं। उनका कहना है कि महज एक मामूली बात पर बेटे का इस कदर हिंसक हो जाना समाज के गिरते नैतिक मूल्यों और पारिवारिक संस्कारों पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। भक्ति के इस पावन माहौल में घटी यह हत्या संवेदनाओं को झकझोरने वाली है, जिसने पिता-पुत्र के पवित्र रिश्ते को कलंकित कर दिया।

इनका कहना है...

ग्राम जमुआ निवासी एक युवक ने महज मुर्गा न मिलने की बात पर अपने पिता की लाठी से पीट-पीटकर हत्या कर दी, आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और उसके खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

भूपेंद्र मणि पांडे
थाना प्रभारी
सोहागपुर

रिहायशी इलाके में घुसा भालू-ग्रामीणों ने शोर मचाकर भगाया, वन विभाग बेखबर

शहडोल। जिले के उत्तर वन मंडल अंतर्गत केशवाही वन परिक्षेत्र बलबहरा में रविवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई जब ग्रामीणों ने सडक़ पार करते एक भालू को देखा। अचानक आए इस जंगली मेहमान ने पूरे गांव में दहशत का माहौल बना दिया। ग्रामीणों ने हिम्मत दिखाते हुए जोर-जोर से आवाजें लगाकर और शोर मचाकर भालू को खदेड़ दिया। यह पूरा घटनाक्रम वहां मौजूद लोगों ने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भालू रिहायशी इलाके में कुछ देर तक इधर-उधर घूमता रहा और फिर जंगल की ओर भाग गया। हालांकि ग्रामीणों का यह कदम बेहद जोखिम भरा था, क्योंकि भालू किसी भी क्षण हमला कर सकता था। गनीमत रही कि इस दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में भय और चिंता का माहौल है। लोगों का कहना है कि पिछले कुछ महीनों से वन्यजीवों की रिहायशी इलाकों में आवाजाही बढ़ गई है, जिससे बच्चों और मवेशियों की सुरक्षा को लेकर खतरा बना हुआ है। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि सूचना देने के बावजूद वन विभाग की टीम मौके पर नहीं पहुंची। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विभाग पूरी तरह लापरवाह और निष्क्रिय है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि वन विभाग तत्काल भालू की मूवमेंट पर नजर रखे, गश्त बढ़ाए और गांवों में जागरूकता अभियान चलाए, ताकि किसी बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके। फिलहाल ग्रामीणों में यह डर बना हुआ है कि भालू दोबारा लौट सकता है।

बड़ा प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी, उमरिया में जगह-जगह विराजी मां जगत-जननी

बाबा फूलसिंह दुर्गोत्सव समिति कैम्प उमरिया।

श्री मातेश्वरी दुर्गा पूजा सेवा समिति कैम्प

कालरी परिवार उमरिया।

जयस्तंभ चौक उमरिया।

गांधी चौक उमरिया।

दुर्गा समिति मोहनपुरी उमरिया।

मां काली जी की भव्य प्रतिमा स्टेडियम के पास।

उमरिया। शारदेय नवरात्रि के प्रारंभ से ही देवी मंदिरों में घट स्थापना के साथ जवारा बोये गए हैं, वहीं माँ दुर्गा उत्सव समितियों द्वारा अपने-अपने पंडालो में माँ जगदम्बा की प्रतिमा स्थापित की गई। नवरात्रि की पंचमी तिथि पर भी जिले की विभिन्न समितियों ने माँ दुर्गा की पूजा अर्चना कर विद्वान पंडित के द्वारा मंत्रोच्चार व विधि विधान के साथ प्रतिमा स्थापित कराई। नवरात्रि के पर्व पर मां दुर्गा शक्ति की भक्ति में समूचा जिला सराबोर है। देवी मंदिरों सहित दुर्गा पंडालो में भक्ति गीतों की स्वर लहरियां गूंज रही हैं। इसके साथ ही देवी मां के विभिन्न स्वरूपों के दर्शन के लिए सडक़ों पर भक्तों की भीड़ उमडऩे लगी है। नवरात्र पर्व के दौरान शहर के गांधी चौक, खलेशर, कैम्प मोहल्ला, सामुदायिक भवन के पास, जय स्तंभ, सिंधी कॉलोनी, घँगरी नाका, पाली रोड, लालपुर, सुभाषगंज, स्टेशन चौक, ज्वालामुखी कालोनी, विकटगंज, बहरा धाम, सिंगलटोला, पुराना पड़ाव, शांति मार्ग आदि स्थानों पर आकर्षित प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। इसके अलावा स्टेडियम के पास भारी पंडाल में माँ काली जी की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है। नगर में विभिन्न स्वरूपों में विराजित माँ भवानी की आकर्षित प्रतिमा को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। दुर्गा उत्सव समितियों ने अपने-अपने पंडालों को आकर्षित रूप से सजाने के साथ सडक़ के दोनों ओर आकर्षक विद्युत सजावट की गई है। जानकारी अनुसार जिला मुख्यालय में 70 से अधिक स्थानों पर मां दुर्गा प्रतिमा की स्थापना की गयी है, जो एक से बढक़र एक हैं। वहीं मां की मूर्तियों की महिमा देखते ही बनती है, हर जगह उनकी अलग छवि नजर आती है, शाम होते ही पंडालों में भक्तों की भीड़ उमडऩे लगती है। प्रतिदिन प्रातःकाल आरती के बाद सायंकाल मातेश्वरी की बाजे- गाजे के साथ आरती की जाती है, जिसमे श्रद्धालु बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते है।

तीन दिवसीय आजीविका फ्रेश मेले का हुआ शुभारंभ

स्वदेशी वस्तुओं को बनाकर भारत को आत्म निर्भर बनाएंः विधायक

मेले के माध्यम से वोकल फॉर लोकल थीम को मिलेगा बढ़ावाः कलेक्टर

उमरिया। प्रदेश सरकार महिलाओ के आर्थिक कल्याण के लिए कृत संकल्पित है। सरकार व्दारा महिलाओ को स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाओं का संचालन किया गया है , उनमें से एक है ग्रामीण आजीविका मिशन , जिसके माध्यम से महिलाएं विभिन्न उत्पादो को तैयार कर विक्रय कर रही है और बेहतर ढंग से अपने परिवार का संचालन कर रही है। उक्त आशय के विचार विधायक बांधवगढ़ शिवनारायण सिंह ने सामुदायिक भवन उमरिया में तीन दिवसीय आजीविका फ्रेश मेला का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए । उन्होने अपील करते हुए कहा कि स्वदेशी वस्तुओं को अपना कर भारत देश को आत्म निर्भरता की ओर ले जाएं । उन्होंने कहा कि बेटी के जन्म लेने पर लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ प्रदाय किया जा रहा है । इसके साथ ही महिलाओं को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के माध्यम से 1250 रूपये प्रति माह खाते में अंतरित किए जा रह है । ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से स्व सहायता समूह का गठन किया गया है जिसमें हजारों महिलाएं विभिन्न उत्पादों को तैयार कर रही है । महिलाएं पुरूषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही है ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2047 तक देश को आत्म निर्भर बनाने का संकल्प लिया गया है।उन्होने कहा कि वोकल फॉर लोकल की थीम पर यह तीन दिवसीय मेले का आयोजन किया गया है । लोकल उत्पाद होने पर रोजगार सृजन होता है। सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण होता है।आर्थिक विकास होता है, उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों को अपनाने के कई फायदे है। उन्होने बताया कि गोकाष्ठ का कार्य ग्राम कौडिया मे किया जा रहा है । कृषि विज्ञान केंद्र में कोदो कुटकी की यूनिट लगाई गई है । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आसुतोष अग्रवाल ने कहा कि ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से बहनें निरंतर रूप से आगे बढ़ रही है । बहनों की समाज में साख बढ़ी है । महिलाओ के सर्वागीण विकास के लिए निरंतर रूप से केंद्र एवं प्रदेश सरकार कार्य कर रही है । उन्होने महिलाओं से कहा कि देश को आत्म निर्भर बनाने के लिए नवाचार करें । कार्यक्रम का पालन प्रतिवेदन जिला समन्वयक एन आर एल एम चंद्रभान सिंह व्दारा प्रस्तुत किया गया । कार्यक्रम में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, जिला समन्वयक ग्रामीण आजीविका मिशन चंद्रभान सिंह,मिथिलेश पयासी, धनुषधारी सिंह, दीपक छत्तवानी,सरपंच पठारी गोविंद प्रसाद गौतम,ग्रामीण आजीविका मिशन से कामना त्रिपाठी,माधुरी शुक्ला,तृप्ती गर्ग सहित बड़ी संख्या में स्व सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं।

विधायक बांधवगढ़ सहित अन्य अतिथियों ने प्रदर्शनी का किया अवलोकन

उत्पादों को खरीदकर महिलाओं का बढ़ाया उत्साह

उमरिया। सामुदायिक भवन उमरिया में आयोजित तीन दिवसीय आजीविका फ्रेश मेला कार्यक्रम में स्व सहायता समूह की महिलाओं व्दारा विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई है। प्रदर्शनी का विधायक बांधवगढ़ शिवनारायण सिंह, कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह,आसुतोष अग्रवाल ने अवलोकन किया तथा विभिन्न उत्पादों को खरीदकर महिलाओ का उत्साहवर्धन किया। प्रदर्शनी में महुआ के उत्पाद, जैविक दाल, बांस कला, माटी कला, बर्तन, टोपी, सजावटी सामग्री, देशी खाद्य सामग्री में आचार,मूंग, पापड़, बरी, बिजौरी, देशी घी, खोवा, जैविक चावल में सुगंधित चावल, बासमती चावल, मिलेट्स में कोदो, कुटकी, रागी , रागी का आटा, त्रिफला चूर्ण, दीदी कैफे, बांस की टोकनी, पंखा, सूपा, प्राकृतिक खेती,जैविक खाद, हस्तकला, बैगा आर्ट की प्रदर्शनी लगाई गई थी । इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, जिला समन्वयक ग्रामीण आजीविका मिशन चंद्रभान सिंह, मिथिलेश पयासी, धनुषधारी सिंह,दीपक छत्तवानी,ग्रामीण आजीविका मिशन से कामना त्रिपाठी, माधुरी शुक्ला, तृप्ती गर्ग उपस्थित रहे ।

नवाचार के माध्यम से दिया जाएगा स्वच्छता का संदेश

उमरिया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी किशन सिंह ने बताया कि नगर पालिका परिषद उमरिया ने स्वच्छता सेवा अभियान 2025 और शसेवा पखवाड़ा के तहत स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक अनूठा कार्यक्रम शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 29 सितंबर 2025, को आयोजित किया गया है । कार्यक्रम में विशेष चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य सिर्फ बच्चों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उनके परिवारों को भी इस महत्वपूर्ण अभियान से जोडऩा है।

पारंपरिक प्रतियोगिताओं के विपरीत, छात्राओं को घर पर ही स्वच्छ भारत मिशन से संबंधित चित्र बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्य भी इसमें शामिल हों और स्वच्छता के महत्व को समझें। इस तरह के नवाचार से स्वच्छता एक संस्कार और आदत बन सकेगी, जो हर पीढ़ी तक पहुंचेगी। अभियान के तहत, 2 अक्टूबर को आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम में बच्चों के साथ उनके अभिभावकों को भी सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी बच्चों को नगर पालिका परिषद उमरिया की ओर से ड्राइंग शीट और वाटर कलर दिए गए हैं। बच्चों ने इस पहल में बढ़-चढक़र भाग लिया है,

अभियान में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी शामिल होंगे, जो अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग स्वच्छता के महत्व को उजागर करने के लिए करेंगे। यह आधुनिक तरीका युवा पीढ़ी तक पहुँचने में सहायक होगा और जागरूकता को एक नए स्तर पर ले जाएगा। यह अभिनव कदम निश्चित रूप से उमरिया को स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा।

मंदिर में पोषण रैली एवं पोषण थाली महोत्सव संपन्न

उमरिया। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग दिव्या गुप्ता ने बताया कि पाली स्थित बिरासनी माता के मंदिर में स्थानीय महिलाओं एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा पोषण माह का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पोषण रैली एवं पोषण थाली के माध्यम से राष्ट्रीय पोषण माह का जनजागरूकता कार्यक्रम जन आंदोलन के रूप आयोजित किया गया। पोषण रैली के उद्देश्य जागरूकता फैलाना, पोषण माह के दौरान समुदाय को पोषण के महत्व के बारे में जागरूक करना।स्वास्थ्य सुधार, महिलाओं और बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य में सुधार करना।स्वच्छता को बढ़ावा देना, स्वच्छता के महत्व पर जोर देना , सरकारी योजनाओं की जानकारी देना, महिलाओं और बच्चों के लिए स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देना है । कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी मोनिका सिन्हा,सुपरवाइजर गायत्री सिंह ठाकुर,रेखा शुक्ला,वंदना रत्नाम,किरण साहू,देवकी मरावी और पाली सेक्टर की समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आरसेटी उमरिया में सेलफोन रिपेयर्स सर्विस प्रशिक्षण संपन्न

उमरिया।

भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, उमरिया में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत 30 दिवसीय सेलफोन रिपेयर्स सर्विस का आवासीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ । प्रशिक्षण में 35 पुरूष प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

शाखा प्रबंधक आनंद तिवारी एमपीजीबी ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए सभी को सतत रूप से कार्य करने के लिए कहा एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। (डीपीएम-एनआरएलएम) चंद्रभान सिंह द्वारा भी सभी प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए अपनी शुभकामनायें दी । उन्होने कहा कि आपने जो प्रशिक्षण में सीखा है उसे यहॉ से जाने के बाद सतत रूप से करें। निर्देशक डा. तरूण कुमार सिंह ने सभी प्रशिक्षणार्थियों का उत्साह वर्धन करते हुये कहा आपने जो यह 30 दिवसीय सेलफोन रिपेयर्स सर्विस का आवासीय प्रशिक्षण प्राप्त किया है एवं प्रशिक्षण के दौरान जो भी गुण सीखा है, उसे यहां से जाने के बाद आप खूब अभ्यास व मेहनत करें। प्रशिक्षण के प्रशिक्षणार्थियों का असेसमेंट ओपी चतुर्वेदी (असिस्टेंट कंट्रोलर) के नियंत्रण में) सत्यम सिंह ईडीपी एसेसर एवं विनोद कुशवाहा(डीएसए) के द्वारा किया गया। अंत में सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र एवं एसेसमेंट प्रमाण पत्र वितरण कर सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

प्रशिक्षण के समापन कार्यक्रम में सेवकराम सोनवानी एलडीएम, डा. बीएस चौधरी (डी.एच.ओ.) आनंद तिवारी (शाखा प्रबंधक- एमपीजीबी- उमरिया), चंद्रभान सिंह जिला परियोजना अधिकारी आजीविका मिशन, कामना त्रिपाडी डीएम स्किल-एनआरएलएम एवं के.के. शुक्ला उपस्थित रहे ।

प्रकृति, परंपरा और सहभागिता का सुंदर संगम बना हाथी महोत्सव

उमरिया। क्षेत्र संचालक बांधवगढ टाईगर रिजर्व ने बताया कि बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व द्वारा आयोजित हाथी महोत्सव के पांचवें दिन कार्यक्रम बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व के ताला मेन गेट में उत्साह और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन न केवल वन्यजीव संरक्षण के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने का माध्यम बना, बल्कि लोगों को हाथियों से जोडऩे वाला एक अनूठा अनुभव भी रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत बिझरिया गांव के स्थानीय जनजातीय कला के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत करमा तथा शैला नृत्य से की गई । नृत्य में पारंपरिक लोक-संस्कृति की सजीव झलक देखने को मिली।

इसके उपरांत उपस्थित आगंतुकों ने हाथियों बान्धवी एवं लक्ष्मण को अपने हाथों से सेब, केला, अमरूद, गन्ना, नारियल आदि फलों का सेवन कराते हुए हाथियों के प्रति अपने स्नेह और उत्साह व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान हाथियों के साथ कार्यरत महावतों तथा चारा कटर एवं अन्य वनकर्मियों के साथ परिक्षेत्र खितौली एवं पनपथा बफर (खितौली सर्किल) के समस्त स्टाफ का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण भी विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा किया गया एवं 65 कर्मचारी निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण से लाभान्वित हुए।

क्षेत्र संचालक बांधवगढ टाईगर रिजर्व ने कहा कि हाथी महोत्सव के माध्यम से हम न केवल हाथियों और वन्यजीवों के प्रति अपनापन की जनभावनाओं को जागृत कर रहे हैं, बल्कि स्थानीय समुदाय, पर्यटन व्यवसायियों और आम नागरिकों को भी संरक्षण की इस साझी मुहिम से जोड़ रहे हैं। इस अवसर पर क्षेत्र के करीब 150 से अधिक ग्रामीण आगंतुकों के साथ-साथ कोर्ट अधिवक्तागण, जीवायपीएसवाय यूनियन के प्रतिनिधि, रिसॉर्ट यूनियन के प्रतिनिधि, बफर जोन में ठहरे देसी-विदेशी पर्यटक, मेडिकल टीम (जिला चिकित्सालय उमरिया से) डॉ. के. सी. सोनी,डॉ. मुकुल तिवारी,डॉ. संदीप सिंह, एसडीओ सोनम गढ़पाल, वेटरनरी ऑफिसर डॉ. राजेश तोमर, आरओ धमोखर सचिन सिंह, खितौली स्वस्ति जैन, राहुल किरार उपस्थित रहे ।

स्टॉफ कॉलोनी जमुना कॉलोनी स्थित मां दुर्गा का भव्य

पत्थर खेड़ा दफाई जमुना कॉलोनी स्थित दुर्गा

माता रानी की दरबार में चल रहा डांडिया

हरिभूमि न्यूज कोतमा। खेर माई प्रांगण वार्ड नंबर 10 विकास नगर मे चौरा धाम में नव दुर्गा उत्सव समिति के द्वारा मैया के दरबार में गरबा डांडिया का कार्यक्रम उत्साह पूर्वक चल रहा रहा है। शाम होते ही नगर में माता की झांकी, देखने के लिये भक्तों की भीड़ उमड़ने लगी है। नवरात्रि पर्व पर नगर पालिका द्वारा सफाई व्यवस्था करवाई जा रही है। नवरात्रि के प्रथम दिन से ही नगर के पंचायती मंदिर, ठाकुरबाबा मंदिर, बूढ़ी दाई माता मे समिति के द्वारा अखण्ड ज्योति कलश जलाया गया जो निरंतर 24 घंटे जलता है। नगर मे भक्तों की भीड़ को देखते हुये नगर पालिका द्वारा नगर के गांधी चौक में पुलिस सहायता केन्द्र खोला गया

पंडा करा रहे पूजा मैया जी की झूम झूम के .... कोयलांचल मे भक्तों का उमड़ रहा सैलाब

हरिभूमि न्यूजकोतमा। नवरात्र के छठवें दिन महिषासुर मर्दिनी मां कात्यायनी की पूजा धूमधाम से हुई। भक्तों ने देवी मंदिरों में पहुंचकर पूजा अर्चन किया और कल्याण की कामना की। नगर सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्र में नवरात्र के छठवें दिन महिषासुर मर्दिनी मां कात्यायनी के पूजन की धूम रही। रविवार को भक्तों ने देवी मंदिरों में पहुंचकर जयकारों के साथ आदिशक्ति के छठवें स्वरूप माता का पूजन कर दुर्गुणों व कुसंस्कारों से मुक्ति व कल्याण की कामना की। कोतमा नगर में पूरे दिन घरों व मंदिरों में या देवी सर्व भूतेषु शक्ति रूपेण संस्थितः नमस्तस्यै, नमस्तस्यै, नमस्तस्यैं नमो नमः के मंत्र गूंजते रहे। शारदीय नवरात्र के छठवें दिन प्रमुख देवी मंदिरों में सुबह से ही आदिशक्ति के छठवें स्वरूप माता कात्यायनी के पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। कोतमा नगर के ठाकुर बाबाधाम मंदिर पंचायती मंदिर बूढी माता मंदिर धर्मशाला मंदिर गोहंड्रा स्थित काली मंदिर लहसुई कैंप गोबिंदा कालोनी में मंदिरों के पट खुलते ही शुरू हुआ दर्शन पूजन का सिलसिला दोपहर तक जारी रहा। नगर के मंदिरों में सुबह चार बजे से श्रद्धालु पूजन एवं जल ढारने के लिए पहुंचना शुरू कर दिया था। भक्तों ने कतार में खड़े होकर मां के दर्शन पाने का इंतजार किया। पूजन के बाद श्रद्धालुओं ने मनौतियां मानी,जबकि मान्यता पूरी होने के बाद लोगों ने डाली मां के चरणों में अर्पित की। मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ रही। पूजन सामग्री से सजी थाल, नारियल, चुनरी फल फूल आदि के साथ श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजन- अर्चन किया। इसके बाद महिलाओं ने घरों में कन्याएं बुलाकर उनका पूजन करने के साथ भोजन कराया। दंड भरते हुए भक्त बाजे गाजे के साथ मंदिर पहुंचे भक्तो ने बताया कि हमारी मनोकामना पूर्ण हो गई और हम घर से दंड भरते हुए माता के मन्दिर पहुंच कर मां का आर्शीवाद प्राप्त किया।

जल रहे अखंड ज्योति

नगर के पंचायती मंदिर बूढी माता मंदिर धर्मशाला मंदिर गोहंड्रा काली मंदिर ठाकुर बाबाधाम में नवरात्रि के प्रथम दिवस से अखंड ज्योति कलश जल रहे हैं। जो निरंतर 24 घंटे जलते हैं। नवरात्रि पर्व के छठवें दिन नगर के मंदिरों में भंडारे का आयोजन किया गया। जहां श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। नवरात्रि पर्व को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल के द्वारा मंदिर एवं पंडालों में पुलिस के चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की है। मोबाइल टीम बनाई गई है।जो नागर भ्रमण करते हुए शांति व्यवस्था का जायजा लेने देर रात्रि तक नगर भ्रमण करती है।

अकरम इंडेन गैस एजेंसी की मनमानी से रहवासी परेशान

लापरवाही के साए में जी रहे लोग

हरभिमि न्यूज जमुना/बदरा। कोतमा का रिहायशी इलाका इन दिनों एक ऐसे खतरे की गिरफ्त में है, जिसकी गूंज न तो प्रशासन सुन रहा है और न ही जिम्मेदार विभाग। अकरम इंडेन गैस एजेंसी का रिफिलिंग सेंटर और गोदाम यहां आम लोगों के सिर पर 'बारूद के ढेर' की तरह मौजूद है। ज्वलनशील गैस सिलेंडरों का भंडारण और भराई का काम घरों और दुकानों से चंद कदम की दूरी पर खुलेआम चल रहा है। यह स्थिति न केवल सुरक्षा मानकों की धज्जियां उड़ाती है बल्कि नागरिकों के जीवन और संपत्ति को सीधे खतरे में डालती है।

हरदा त्रासदी से नहीं सीखा सबक

मध्यप्रदेश के हरदा जिले में कुछ महीने पहले अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट में 11 लोगों की जान चली गई थी। उस घटना के बाद पूरे प्रदेश में सुरक्षा मानकों को लेकर सख्ती की बात हुई थी, लेकिन कोतमा के हालात देखकर लगता है कि यहां वह चेतावनी बेअसर साबित हुई है। रिहायशी क्षेत्रों में ज्वलनशील पदार्थों का भंडारण और संचालन किसी भी समय वैसी ही त्रासदी को जन्म दे सकता है। गैस सिलेंडरों का वजन भले स्टील में हो, लेकिन उनकी सामग्री आग से भी तेज है। ऐसे में, रिफिलिंग के दौरान एक चिंगारी, गैस रिसाव, या हल्की लापरवाही भी पूरे मोहल्ले को राख में बदल सकती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि रिहायशी क्षेत्रों में इस तरह का संचालन पूरी तरह गैर-जिम्मेदाराना है और इसे तुरंत बंद कराया जाना चाहिए।

उपभोक्ताओं के साथ दोहरी मार

एजेंसी पर सिर्फ सुरक्षा उल्लंघन के आरोप ही नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं को ठगने के गंभीर आरोप भी लगे हैं। ग्राहकों का कहना है कि सील बंद सिलेंडरों में 1 से 1.5 किलो गैस कम पाई जाती है। यानी ग्राहक तय कीमत चुका रहे हैं, लेकिन बदले में कम गैस मिल रही है। ऊपर से, कई उपभोक्ताओं ने शिकायत की है कि एजेंसी तय रेट से ज्यादा वसूली करती है। यह न केवल उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि खुलेआम लूट है। स्थानीय लोगों ने बार-बार प्रशासन से शिकायत की है। कई बार लिखित आवेदन दिए गए, लेकिन न तो जांच हुई और न ही कोई ठोस कार्रवाई। आरोप है कि जिम्मेदार विभागों की चुप्पी ने एजेंसी के हौसले और बढ़ा दिए हैं। प्रशासन का यह रवैया सवाल खड़ा करता है। क्या वे किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं।

जनता का आक्रोश और मांगें

स्थानीय निवासियों ने साफ चेतावनी दी है कि अगर एजेंसी को रिहायशी इलाके से हटाकर सुरक्षित स्थान पर नहीं ले जाया गया, तो वे बड़े पैमाने पर विरोध करेंगे। उनकी मांग है कि गैस सिलेंडरों के वजन और कीमत की नियमित जांच हो। निर्धारित रेट से अधिक वसूली पर सख्त दंड मिले, सुरक्षा मानकों के पालन में लापरवाही बरतने वालों पर कानूनी कार्रवाई हो, रिफिलिंग और भंडारण का काम केवल औद्योगिक या निर्धारित क्षेत्रों में ही किया जाए। अब सवाल यह है कि प्रशासन कब जागेगा। क्या उन्हें हरदा जैसी किसी और दुर्घटना का इंतजार है। क्या नागरिकों की सुरक्षा केवल कागजों में दर्ज नियमों तक सीमित है। कोतमा के लोग रोज इस खतरे के साए में जी रहे हैं, और अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो जिम्मेदारी तय करने में देर नहीं लगेगी और तब उंगली सीधी प्रशासन की ओर उठेगी।

खबर संक्षेप

स्वच्छता को लेकर निकाली जागरूकता रैली

उमरियापान। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत शुक्रवार को खम्हरिया बागरी के शासकीय माध्यमिक और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में आयोजित हुआ।ग्रामीण युवा समन्वयक दिनेश कनौजिया के नेतृत्व में स्कूली बच्चों के साथ गांव में रैली निकाली गई। रैली के दौरान बच्चों ने स्वच्छता को लेकर नारे लगाए और ग्रामीणों को साफ-सफाई बनाए रखने का संदेश दिया।कार्यक्रम के दौरान प्रचार्य अशोक बागरी और शाला प्रभारी दिनेश पांडेय ने बच्चों और ग्रामीणों को स्वच्छ वातावरण के महत्व के बारे में बताया और उन्हें घर तथा आसपास की साफ-सफाई बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर शिक्षकों और छात्र छात्राओं सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

मारपीट से युवक की मौत, पिता व पुत्र पर मामला दर्ज

कटनी। रीठी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम देवगांव मानसिक रूप से विक्षिप्त एक युवक को इस कदर पीटा कि वह लहूलुहान हो गया। बाद में उसके शरीर पर मौजूद जख्मों में संक्रमण फैल गया और उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी लगने पर पुलिस ने आरोपित पिता व पुत्र के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी मोहम्मद शाहिद ने बताया कि विगत 8 सितंबर को आपसी विवाद के बाद देवगांव निवासी 36 वर्षीय बारेलाल यादव पिता दसई यादव की विगत दिनों मौत हो गई है। बारेलाल की हत्या उनके ही पड़ोस में रहने वाले आसाराम यादव, अंकुश यादव एवं मनीष यादव ने मिलकर की है। थाना प्रभारी का कहना है कि जांच में यह बात सामने आई कि मृतक बारेलाल मानसिक रूप से विक्षिप्त था। उसके घर के सामने रहने वाले आसाराम एवं उसके लड़के अंकुश और मनीष उससे परेशान थे। तीनों ने मृतक बारेलाल को बंधक बनाकर बेरहमी से डंडों से पीटा, जिसके कारण उसके पैर में गंभीर चोटे आई। बाद में बारेलाल को इलाज नहीं मिल पाया और पैर में लगे चोट में संक्रमण फैल गया, जिसके कारण उसकी मौत हो गई। उजागर हुए तथ्यों के आधार पर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ धारा 103(1), 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है

जिपं की सामान्य सभा की बैठक 15 अक्टूबर को

कटनी। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक बुधवार,15 अक्टूबर को पूर्व एजेंडा के अनुसार निर्धारित समय एवं स्थान पर आयोजित की जाएगी। जिला पंचायत की सीईओ सुश्री तपस्या परिहार द्वारा जारी पत्र के अनुसार शुक्रवार, 3 अक्टूबर को आहूत सामान्य सभा की बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई है।

योजनाओं में प्रगति लाने अधिकारियों ने किया दौरा

कटनी। बारिश का पानी पर्याप्त मात्रा में तालाब में अधिक से अधिक संरक्षित और सुरक्षित रह सके इसके लिए तकनीकी मापदंडों का पालन करते हुए आवश्यक सुधार कर तालाब विस्तारीकरण का कार्य कराया जाना सुनिश्चित करें। इस आशय के निर्देश शुक्रवार को ग्राम पंचायत कचनारी के पोषक ग्राम मुखास में निर्माणाधीन स्वीकृत तालाब विस्तारीकरण कार्य का औचक निरीक्षण कर नब्ज टटोलते हुए जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा के सीईओ यजुवेंद्र कोरी ने निर्माण एजेंसी को दिए। उल्लेखनीय है कि अभी हाल में ही जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार द्वारा समीक्षा बैठक में जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को विभागीय योजनाओं में प्रगति लाने के निर्देश दिए गए थे। अवगत होवे कि निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत कचनारी द्वारा 15 वें वित्त की राशि से जल संरक्षण एवं संवर्धन हेतु तालाब विस्तारीकरण कार्य कराया जा रहा है। सीईओ श्री कोरी ने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में लापरवाही नहीं बरती जाए।

एसईसीएल खदानों से महंगे पार्ट्स चोरी, सुरक्षा पर खर्च करोड़ों, फिर भी चोर बेखौफ

टूटी बाउंड्री वॉल से आसानी से हो रही घुसपैठ

एसईसीएल सोहागपुर एरिया की खदानों में चोरी की वारदातें लगातार बढ़ रही हैं। कोयला, डीजल और कीमती मशीनों के पार्ट्स चोरों के निशाने पर हैं। कंपनी द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के नाम पर हर साल करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं, सिक्योरिटी गार्डों की तैनाती भी की गई है, फिर भी चोरी थमने का नाम नहीं ले रही। कर्मचारियों का कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था केवल कागज़ों में मजबूत दिखती है, जमीनी स्तर पर हालात बिल्कुल उलट हैं।

धनपुरी।

बाउंड्री वॉल जर्जर, चोरों के लिए आसान रास्ताचोरी बढ़ने की एक बड़ी वजह खदानों की बाउंड्री वॉल का जर्जर और टूटा हुआ होना है। अधिकांश खदानों के चारों ओर बनी सुरक्षा दीवार जगह-जगह से ध्वस्त हो चुकी है। इसी कारण चोरों को अंदर प्रवेश करने में कोई दिक्कत नहीं होती। रात के अंधेरे में हथियारों से लैस चोर आसानी से दीवार फांदकर या टूटी दीवार से घुसपैठ कर जाते हैं और कीमती सामान उठाकर फरार हो जाते हैं।खैरहा क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावितखैरहा थाना क्षेत्र से जुड़े दामिनी, खैरहा और राजेंद्रा भूमिगत खदानों को चोरों ने अपना मुख्य निशाना बना लिया है। हाल ही में खैरहा माइंस में चोरों ने बाउंड्री वॉल फांदकर प्रवेश किया था। हालांकि चोरी करने में वे सफल नहीं हो सके, लेकिन उनकी इस हरकत से कर्मचारियों में भय और असुरक्षा का माहौल है। इससे पहले भी कई बार दामिनी और राजेंद्र माइंस से महंगे पार्ट्स चोरी हो चुके हैं।कबाड़ माफिया की संलिप्तता की आशंकास्थानीय लोगों का कहना है कि चोरी किए गए सामान को आसपास के कबाड़ व्यापारियों को बेचा जाता है। यदि इन कबाड़ ठिकानों पर निगरानी और कार्रवाई हो, तो चोरी की घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। पुलिस ने पहले कड़ी सक्रियता दिखाई थी, जिससे चोरी पर अंकुश लगा था, लेकिन अब चोर फिर से सक्रिय हो गए हैं।कर्मचारियों में रोषकर्मचारियों का कहना है कि कंपनी सुरक्षा पर भारी-भरकम रकम खर्च कर रही है, पर टूटी बाउंड्री वॉल और लचर सुरक्षा व्यवस्था के कारण चोरी की घटनाएँ कम नहीं हो रही हैं। लगातार हो रही चोरी से कंपनी को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। कर्मचारियों ने मांग की है कि जल्द से जल्द बाउंड्री वॉल की मरम्मत कराई जाए और पुलिस-प्रशासन सख्त कार्रवाई करे।

रक्तदान शिविर में उमड़ा उत्साह, भाजपा मंडल बकहो का सराहनीय आयोजन

अमलाई।

भारतीय जनता पार्टी मंडल बकहो द्वारा सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत शनिवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर जैन डे केयर क्लीनिक सेंटर, ओपीएम में संपन्न हुआ।राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देशानुसार चल रहे इस अभियान में जिलाध्यक्ष अमिता चपरा के मार्गदर्शन और मंडल प्रभारी दीपक शर्मा के सानिध्य में मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र दुबे के नेतृत्व में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।कार्यक्रम का प्रारंभ भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से किया गया। इस अवसर पर विधायक जय सिंह मरावी, जिला उपाध्यक्ष राकेश पाण्डेय, नगर परिषद बकहो की अध्यक्षा एवं उपाध्यक्ष, बकहो व बुढ़ार मंडल से आए पदाधिकारीगण, पार्षदगण, समाजसेवी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।रक्तदान शिविर में अनेक लोगों ने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है और इससे कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। ऐसे आयोजन से समाज में जागरूकता बढ़ती है और लोग आगे आकर इस नेक कार्य में सहयोग करने के लिए प्रेरित होते हैं।मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र दुबे ने सभी रक्तदाताओं एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़ा के माध्यम से समाजसेवा के कार्यों में जनभागीदारी और भी सशक्त होगी।

रामेश्वरी धाम दुर्गा मंदिर कटकोनी में शारदेय नवरात्र, विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

बुढ़ार। शारदेय नवरात्र के अवसर पर मां रामेश्वरी धाम दुर्गा मंदिर में विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन के साथ आज सप्तमी को कालरात्रि माता की विशेष पूजा अर्चना की जावेगी। 30 सितंबर अष्टमी को सुबह 8 बजे स्तुति के उपरांत सुबह 11 बजे से कन्या पूजन भोग,अठबाईन प्रसाद माता जी को अर्पित किया जायेगा,1 अक्टूबर को मां जगदम्बा के दरबार में छप्पन भोग लगाकर प्रसाद भंडारे का आयोजन दोपहर 12 बजे से किया जावेगा शाम 5 बजें काली नुत्य के साथ बाजे गाजे के साथ ज्वारे कलश जुलूस मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर विश्राम गृह तिराहे होते हुए लखेरन टोला, रेल्वे स्टेशन चौक, जैन मंदिर रोड नेहरू पार्क, कोतमा रोड होते हुए मां बुढ़ी मंदिर में ज्वारे कलश का विसर्जन किया जायेगा।

नाव्या होंडा शो रूम में होंडा साइन 100 डीलक्स बाइक हुई लॉन्च

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर।

राजनगर के दो पहिया वाहन विक्रेता नाव्या होंडा शो रूम राजनगर एंव बिजुरी में होंडा कंपनी की नई बाईक होंडा साइन 100 सीसी, डीलक्स की शानदार बाइक को नगर के प्रतिनिधियों द्वारा लांच किया गया। होंडा शाइन 100 डीलक्स का एक्स शोरूम कीमत 67994 तथा शानदार 85 का माइलेज है। शानदार स्टाइल के कंपनी के द्वारा लांच की गई है। इस बाइक को नवरात्रि के पंचमी के दिन नाव्या होंडा शोरूम में लॉन्च किया गया। नाव्या होंडा संचालक अधिक लाल के द्वारा बताया गया कि होंडा कंपनी के सभी मोटरसाइकिल एंव स्कूटी मार्केट में आज सबसे अच्छा परफॉर्मेंस सेल होने वाली मोटरसाइकिल है। होंन्डा साइन डीलक्स 100बब मोटरसाइकिल को शोरूम नगर मे जनप्रतिनिधि पहुंचकर शुभारंभ किया।

जंगली हाथी ने किसानों की धान की फसल किया चौपट

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरही

बरही तहसील अंतर्गत ग्राम जगुआ के डुणहा के किसानों की धान की फसल जंगली हाथी नष्ट कर दिया एक सप्ताह से रोजाना बफर जोन पनपथा के जगुआ वीट में एक जंगली कॉलर वाला हाथी अपना डेरा जमाया हुआ है। शाम ढलते ही जंगल से निकलकर खेतों में घुस जाता है और फसल खाता है और रौंद कर बर्बाद कर रहा है। किसान मंगल बैगा छोटे लाल साहू शंभू साहू फूल चंन्द भुमिया जैनुल भाईजान बिन्दा चौधरी की धान की फसल को हाथी नष्ट कर दिया है। शुक्रवार को शाम 5बजे खेत में हाथी जंगल से निकलकर आ गया। किसान व ग्रामीण देखते रहे किसी की हिम्मत नहीं पड़ी शोरगुल करने के बाद नहीं भागा सुबह खेत से निकला अपना पेट भर कर किसान परेशान हैं। उनकी आजिविका चौपट हो रही है किसानों ने इसकी सूचना स्थानीय वन विभाग को दी पहुंचाकर ग्रामीणों के साथ शोरगुल किया गया तब जंगल की ओर भागा पर चला जाता है फिर आ जाता है। शाम को जंगल से निकलकर किसानों की धान की फसल में आ जाता है और पूरी रात फसल को खाता है और रौंदकर नष्ट कर दिया। किसानों का कहना है उच्चाधिकारी ध्यान नहीं दें रहें हैं हम एक सप्ताह से परेशान हैं

गरबा और डांडिया के नृत्य का खुमार, गरबाइयों में अलग उत्साह

शक्ति की भक्ति और उल्लास में डूबा कोयलांचल

हरिभूमि न्यूज़ कोतमा।

पूरा नगर शारदीय नवरात्र के पर भक्ति और उल्लास में डूबा हुआ है। गलियों से लेकर मुख्य मार्गों तक गरबा और डांडिया के नृत्य का खुमार छाया है। शारदीय नवरात्र में कोतमा नगर की गलियों में डांडियां की खनक गूंज रही है। रंग-बिरंगी लाइटों से सजे पंडालों में पारंपरिक वेशभूषा में सजी-धजी महिलाएं और बच्चियां डीजे की धुन पर थिरकते नजर आ रही हैं, जो देखते ही बनता है। नगर के शारदा काली मंदिर के पास गरबा डांडिया का आयोजन किया जा रहा है। गरबा का शुभारंभ मां दुर्गा की संध्या आरती के बाद गरबा और डांडिया नृत्य से होता है।

रंग-बिरंगी लाइटों में सजा नगर

पारंपरिक गरबा और डांडिया रास में महिलाएं और युवतियां अपने रंगीन परिधानों और आभूषणों के साथ सज धज कर शामिल होती हैं। विभिन्न मंडलों में भीड़ उमड़ रही है, जहां गुजराती गीतों से लेकर फिल्मी गानों तक हर धुन पर कदमताल होता है। इस दौरान, हर कोई भक्ति भाव से मां दुर्गा की आराधना कर उनके प्रति आस्था प्रकट करता है। इन गरबा रास और डांडिया नृत्यों में शिरकत करने वाले लोगों के चेहरों पर उत्साह और खुशी की चमक साफ नजर आती है। नगर के लोग इन पलों को पूरी श्रद्धा और उमंग से मना रहे हैं। गरबा उत्सव की यह परंपरा भक्ति और संस्कृति की वह डोर है, जो लोगों को एकसूत्र में बांधती है। नगर के गोविंद भवन प्रांगण मे नवरात्र के चोथे दिन से गरबा डांडिया महोत्सव शुरू हो गया है। अलग-अलग रंग और पारंपरिक वेशभूषा में महिलाएं एवं बच्चियां शामिल होकर गरबा डांडिया मे हिस्सा ले रही हैं। यह कार्यक्रम विशेष रूप से महिलाओं और लड़कियों के लिए इसलिए रखा जाता है ताकि वे सुरक्षित, बिना हिचकिचाहट और गरिमापूर्ण तरीके से गरबा कर सकें। हर बर्ष गरबा डांडिया मे हिस्सा लेने वाली बच्चियों को समिति के द्वारा पुरस्कृत भी किया जाता है। जिसके कारण उत्साह और भी बढ जाता है।

गरबाइयों मे अलग उत्साह

नगर की बच्ची अंजलि का कहना है कि नवरात्र पर्व मे गरबा डांडिया की तैयारी वे प्रतिदिन करती है गरबा, एक प्रमुख लोक नृत्य और उत्सव है. नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की स्तुति में उन्हें गरबा करने से उनके मन मे एक अलग उत्साह बना रहता है। गरबा हमारे नगर मे भी एक परंपरा बन गई है। ये नृत्य सिर्फ एक मनोरंजन नहीं बल्कि पूजा का हिस्सा है. गरबा को ज़्यादातर आरती से पहले खेला जाता है. इसका मुख्य मतलब है कि ये डांस माता को समर्पित है और इसमें भक्ति का भाव सबसे ऊपर होता है। तृप्ति सिंह का कहना है कि नवरात्रि आते ही नगर मे चारों तरफ रौनक छा जाती है. मंदिरों से लेकर घर-घर तक माता की भक्ति का माहौल होता है. लोग दिन में उपवास रखते हैं और रात को गरबा-डांडिया में झूमते हैं. महिलाएं रंग-बिरंगे घाघरा-चोली पहनती हैं। पारंपरिक अंदाज़ में नज़र आती हैं. ढोल, नगाड़े और डीजे की आवाज़ से पूरा माहौल उत्साह से भर जाता है। वह हर वर्ष नवरात्रि के एक माह पहले से ही गरबा डांडिया मे हिस्सा लेने वाली बच्चियों को प्रशिक्षण देती है। जिसके कारण वे पूरे उत्साह एवं उमंग के साथ हिस्सा लेती हैं।

सभी बनना चाहते हैं जश्न का हिस्सा

नगर की चाहत सिंह ने कहा कि गरबा डांडिया हमारे नगर की परंपरा बन गई है इसका हमे हर वर्ष से इंतजार रहता है। नवरात्र मे हम सभी लोग एक मंच पर इक्ट्ठा होते हैं और पूरे परिधान पहनकर हाथो मे छडी लेकर माता के गानों की धुन पर गरबा डांडिया करते हैं। ये डांस माता को समर्पित है और इसमें भक्ति का भाव सबसे ऊपर होता है। हमारे नगर मे भी गरबा डांडिया एक बड़ी परंपरा बन गई है प्रशिक्षण लेते हैं। जिसको लेकर हम लोगों के द्वारा महीने भर पहले से तैयारी मे लग जाते हैं। अक्षिता ताम्रकार ने बताया कि रंग-बिरंगी लकड़ी की स्टिक्स यानी डांडिया का इस्तेमाल करते हुए हम लोग जोड़ी या ग्रुप बनाकर इन स्टिक्स को आपस में बजाते हुए नाचते हैं. डांडिया का मज़ा तब और बढ़ जाता है जब डीजे पर तेज धुन बजती है और लोग ताल से ताल मिलाते हैं। हमारे नगर मे एक अच्छी परंपरा शुरू हो गई है। आयोजकों के द्वारा हम सभी को एक अच्छा प्लेट फार्म उपलब्ध करवाया जा रहा है। इसका मकसद होता है साथ मिलकर मस्ती करना और उत्सव का आनंद लेना. डांडिया के गानों में ज़्यादातर श्रीकृष्ण और राधा की लीलाएं गाई जाती हैं जिससे माहौल और भी मनोरंजक बन जाता है। अवनि पाण्डेय का कहना है कि नवरात्रि सिर्फ पूजा का पर्व नहीं बल्कि मिलकर खुशियां मनाने का भी मौका है। दिन भर हमारे घर मे एवं नगर मे लोग उपवास और पूजा करते हैं और रात को गरबा और डांडिया खेलकर थकान मिटाते हैं. गरबा भक्ति और श्रद्धा का प्रतीक है जबकि डांडिया मस्ती और उत्साह का. यही वजह है कि दोनों मिलकर नवरात्रि की रातों को खास और यादगार बना देते हैं. जब लोग रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर ढोल की थाप पर थिरकते हैं तो हर कोई इस जश्न का हिस्सा बनना चाहते हैं।

निबंध प्रतियोगिता में विजेताओं को किया पुरस्कृत

उमरियापान। शासकीय महाविद्यालय उमरियापान में पोषण माह के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 42 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। जिसमें नितिन मेहरा ने पहला,श्रेया दुबे ने दूसरा और सुलेखा लोधी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आरती धुर्वे ने तीनों विजेताओं को शील्ड प्रदाय कर पुरुस्कृत किया। इस मौके पर सेक्टर सुपरवाइजर मंजू मिश्रा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुलेखा चौरसिया,मीरा ज्योतिषी,आशा गर्ग और दुर्गा बर्मन उपस्थित रही।

फरार आरोपी को भेजा जेल

उमरियापान। नाबालिका से दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपी को उमरियापान पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी दिनेश तिवारी ने बताया कि 26 अगस्त को नाबालिगा घर से लापता हो गई थी। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

खबर संक्षेप

जागरूकता कार्यक्रम में डीआईजी शहडोल ने की शिरकत

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में महिला सुरक्षा को लेकर "मैं हूं अभिमन्यु-3" जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत रविवार की दोपहर पुलिस उपमहानिरीक्षक शहडोल रेन्ज, शहडोल सुश्री सविता सोहाने द्वारा अनूपपुर नगर में सामतपुर तालाब परिसर में चल रहे सेवा पखवाड़ा अंतर्गत आजीविका फ्रेश मेला के कार्यक्रम स्थल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डीआईजी शहडोल रेन्ज सुश्री सविता सोहाने द्वारा महिलाओ के प्रति सहयोग, सम्मान एवं समानता लाये जाने हेतु पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाये जा रहे मैं हूं अभिमन्यु जागरूकता कार्यक्रम की जानकारी दी गई। जिसमें लिंग भेद, अशिक्षा, भ्रूण हत्या, असंवेदनशीलता, अश्लीलता रूढीवादिता, दहेज एवं नशा जैसी सामाजिक बुराईयो के चक्रव्यू को तोड़ने के लिए समाज के हर वर्ग के व्यक्ति को अभिमन्यू बनने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जगन्नाथ मरकाम, एसडीओपी अनूपपुर सुमित केरकेट्टा, टी.आई. कोतवाली, महिला थाना प्रभारी राकेश उइके, महिला थाना एवं कोतवाली थाना का पुलिस बल उपस्थित रहा। कार्यक्रम में उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य अजय जैन, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य डाक्टर कौशलेन्द्र सिहं, माता सबुरी कन्या शिक्षा परिसर अनूपपुर की प्राचार्या डाक्टर प्रमिला पाण्डेय शामिल हुए। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन द्वारा चल रहे आजीविका फ्रेश मेला में उपस्थित महिलाओं माता सबुरी कन्या शिक्षा परिसर अनूपपुर की छात्राओं एवं शासकीय एकलव्य आवासीय विद्यालय अनूपपुर की छात्राओ को महिला हेल्पलाईन नम्बर 1090, चाईल्ड हेल्पलाईन नम्बर 1098, पुलिस हेल्प लाईन नम्बर 112, सायबर हेल्पलाईन नम्बर 1098, राष्ट्रीय महिला आयोग नम्बर 7827170170 के उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित छात्राओं के द्वारा पूछे गये प्रश्नो का डीआईजी शहडोल रेन्ज सुश्री सविता सोहाने ने उत्तर देते हुए समाज में महिलाओं की सुरक्षा हेतु सहयोग, सम्मान एवं समानता की भावना विकसित किये जाने की बात कही है।

हाईकोर्ट के आदेश पर भूमि विस्थापितों को मिलेगा रोजगार

अनूपपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की डिवीजन बेंच (मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा एवं न्यायमूर्ति प्रभु दत्त गुरु) के आदेश के परिपालन में भूमि विस्थापितों को रोजगार उपलब्ध कराने की मांग तेज हो गई है। इसी क्रम में कोयलांचल प्रभावित रोजगार पुनर्वास कृषक कल्याण मंच के बैनर तले किसानों का प्रतिनिधिमंडल एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक को अध्यक्ष सह प्रबंधक निदेशक, बिलासपुर के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने वालों में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष रमेश सिंह, वरिष्ठ कांग्रेस नेता वसुदेव, वरिष्ठ समाजसेवी लाल प्रभाकर सिंह, पिछड़ा वर्ग कांग्रेस अध्यक्ष रजन कुमार राठौर सहित बड़ी संख्या में प्रभावित किसान मौजूद रहे। ज्ञापन में कहा गया कि उच्च न्यायालय ने 2 अगस्त 2025 को जारी आदेश में स्पष्ट किया है कि एसईसीएल को मध्यप्रदेश/छत्तीसगढ़ आदर्श पुनर्वास नीति-1991 के तहत भूमि विस्थापितों को प्रत्येक खाते में रोजगार देना अनिवार्य होगा। अदालत ने माना कि भूमि देने वालों का पुनर्वास एवं रोजगार पाने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 का तार्किक परिणाम है। इस अधिकार से वंचित करना संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 का उल्लंघन होगा। न्यायालय ने यह भी कहा कि एसईसीएल को आदेश की प्रति मिलने के 45 दिनों के भीतर प्रभावितों के मामलों पर निर्णय लेना होगा। फैसले में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व आदेशों का भी हवाला दिया गया है। साथ ही यह भी उल्लेख किया गया कि 1991 की नीति और कोल इंडिया लिमिटेड की 2008-12 नीति के अनुरूप भूमि खोने वाले किसानों को रोजगार प्रदान किया जाना चाहिए। इस आदेश का प्रभाव मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों राज्यों के एसईसीएल खदान क्षेत्रों पर पड़ेगा। प्रभावित किसानों ने एसईसीएल प्रबंधन से अपील की है कि आदेश का पालन करते हुए सभी पात्र परिवारों को तत्काल रोजगार उपलब्ध कराया जाए, ताकि किसी प्रकार का तनाव या अशांति का वातावरण निर्मित न हो।

जिले भर में बिक रहे मिलावटी खाद्य सामग्रियों पर नहीं विभाग का अंकुश

त्यौहार पर भी सुस्त पड़ा खाद्य एवं औषधि विभाग

महीनों मे आते हैं संभागीय कार्यालय से खाद्य निरीक्षक

हमेशा सुर्खियां बटोरने वाले जिले का खाद्य एवं औषधि विभाग सहित नापतौल विभाग जिले में बिक रही मिलावटी खाद्य सामग्रियों को रोकने व कम तौल से संबंधित मामलों में हस्तक्षेप व उन्हे खत्म करने की बजाय अपने अपने कार्यालयों में आराम फरमाते हुये अपनी मनमर्जी करते नजर आते है। जिसके कारण जिले के आम उपभोक्ता पूरी तरह से परेशान है, लेकिन खाद्य एवं औषधि विभाग व नापतौल विभाग के अधिकारियों को इन बातो से कोई लेना देना नही है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

महत्वपूर्ण त्यौहार नवरात्र मे बाजारों में मिलावटी मिठाईयां धड़ल्ले से बिक रही है, जिन्हे जांच करने व कार्यवाही के लिए खाद्य एवं औषधि विभाग आगे नही आ रहा वहीं आगामी दिनों मे हिन्दू त्यौहार लगातार हैं। ऐसे समय में नापतौल विभाग की भी भूमिका उदासीन देखी जा रही है।

नवरात्र के त्यौहार को लेकर जिले भर के बाजारों में मिलावटी खाद्य सामग्रियां बेखौफ बेची जा रही है जिसे रोकने व सैम्पलिंग से लेकर कार्यवाही करने से गुरेज करने पर खाद्य एवं औषधि विभाग पर शंका की सुई घूम रही है वहीं जिले के नाप तौल विभाग की उपेक्षा के कारण जिले का आम उपभोक्ता शोषण का शिकार हो रहा है। ज्यादा कीमत के बीच कम तौल के कई मामले दैनिक उपयोग की वस्तुओं में देखे सुने जा रहे है। बाजार में तौल कांटो की गड़बड़ी को मिटाने कोई भी संस्था व शासकीय विभाग आगे नहीं आ रही है। जिसके कारण आमजनों का यह शोषण बढ़ते ही जा रहा है।

इलेक्ट्रानिक कांटो की सेंटिंग

बढ़ती आधुनिकता के चलते इन दिनों दिन प्रतिदिन इलेक्ट्रानिक कांटों का प्रचलन बढ़ती ही जा रही है। इसकी सेंटिग भी बड़ी सरल है इसके बावजूद कई व्यापारी खरीदने और बेचने के लिये अलग-अलग कांटे बना रखे है। जनता ने कभी भी खुलकर दुकानदारों द्वारा की जाने वाली मनमानी का विरोध नही किया। उनका विरोध केवल दुकानदारों से हल्की नोकझोंक तक ही सीमित है यदि उपभोक्ताओं द्वारा प्रशासनिक स्तर पर तथ्यपूर्ण शिकायतें की जाये तो इन दोनों विभाग को गहरी निद्रा से जगाया जा सकता है।

कार्यालय में सन्नाटे की स्थिति

खाद्य एवं औषधि विभाग व नापतौल कार्यालय में अक्सर सन्नाटे की स्थिति इनकी निषक्रियता का सबसे बड़ा प्रमाण है। यहां दिखावे व केवल खानापूर्ति के लिये ही पूर्व नियोजित कार्यवाहियां की जाती है, जबकि विभाग को बाजारों में सक्रिय रहकर लुटेरे दुकानदारों को पकड़ना चाहिये। प्रशासनिक अधिकारी भी आये दिन आदेश जारी कर किसी न किसी विभाग को नसीहत देते है पर होता कुछ भी नही है।

आदर्श दुर्गा पूजा उत्सव समिति की स्थापना का 50वां वर्ष बना आकर्षण का केंद्र

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

नवरात्रि के पावन पर्व का अपना ऐतिहासिक महत्व सभी जगह देखने को मिलता है। युवा वर्ग बड़े ही उत्साह के साथ अनूपपुर शहर में जगह-जगह दुर्गोत्सव को लेकर अपनी तैयारी करते हैं एवं जगह-जगह माता रानी को विराजित कर पूजा अर्चना के साथ कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन भी करते चले आ रहे हैं। अनूपपुर शहर में आदर्श दुर्गा पूजा उत्सव समिति आदर्श मार्ग अनूपपुर वर्ष 2025 में अपनी स्थापना का 50वां वर्ष मना रही है।स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर जहां भव्य पंडाल पर माता रानी को विराजित किया गया है, वहीं पूरे मार्ग की सजावट देखते ही बनती है। बारिश के मौसम के बाद भी लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं है। सुबह से रात्रि तक सभी लोग माता रानी के कार्यक्रम में अपनी सहभागिता निभाते हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रतिदिन आयोजन किया जा रहा है।इस दौरान फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता,नृत्य प्रदर्शन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। साथ ही कीर्तन, भजन, रामायण, नाटक आदि प्रतियोगिता के साथ ही गरबा का कार्यक्रम भी आकर्षण का केंद्र बिंदु बना हुआ है। प्रतिदिन भंडारे का प्रसाद वितरित किया जा रहा है। आदर्श दुर्गा पूजा उत्सव समिति ने वर्षों से धर्म, संस्कृति और समाज को जोड़े रखने का जो कार्य किया है। वह निश्चित ही सराहनीय है। मां दुर्गा का आशीर्वाद पूरी समिति पर यूं ही बना रहे और आदर्श दुर्गा पूजा उत्सव समिति सतत प्रगति के मार्ग पर बढ़ती चली जाए।

कहीं मुसीबत न बन जाये तीव्र ध्वनि वाले हॉर्न

शांत क्षेत्रों को भी हॉर्न बजाकर करते अशांत

कार्रवाई न होने से मनचलों के हौसले बुलंद

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देश के बावजूद भी सडको पर अत्यधिक शोर करने वाले वाहनो में हार्न बज रहे है। जिसमे कई तरह के कर्कस आवाज भी होते है इन वाहन चालको को इस बात से कोई लेना देना नही है कि इनका उपयोग कहां करना है। खास कर युवा वर्ग अपने वाहनो में तरह-तरह के आवाज करने वाले हार्न लगाकर शहर में घूमते है इन्ही को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को सख्त निर्देश दिये थे कि ऐसे हार्नो पर सख्त कार्यवाही करे और उन वाहन चालको पर भी कार्यवाही करे जो शांत क्षेत्र में अत्यधिक शोर करने वाले हार्न का उपयोग करते है।

मुसीबत का सबब बने तीव्र ध्वनि वाले हार्न

आज का युवा वर्ग अपनी मस्ती में चलता है उसे राह चलने वाले राहगीरो का ख्याल नही है। आडे-तिरछे वाहन चला कर अपने साथ अन्य राहगीरो को भी दुर्घटना का शिकार बनाते है। खासकर ऐसे युवा लडके लडकियो के स्कूल में आते-जाते समय अधिक दिखाई देते है। ऐसे मनचलो को इस बात से कोई वास्ता नही है कि अपने वाहन के हार्न शांत क्षेत्रो में नही बजाना चाहिए। नगर में दौड़ने वाले दोपहिया, चारपहिया वाहनों समेत अन्य वाहनों में लगे तीव्र ध्वनि वाले हॉर्न आमजन के लिए मुसीबत साबित हो रहे हैं। आलम यह है कि नगर के मुख्य मार्ग समेत अन्य गलियों में वाहन चालकों द्वारा इन तीव्र ध्वनि वाले हॉर्नों का इस्तेमाल कर नियमों का खुलेआम माखौल उड़ाया जा रहा है। गौरतलब है कि न्यायालय ने तयशुदा ध्वनि से अधिक तीव्रता वाले हॉर्नों के चलन पर प्रतिबंध लगाते हुए वाहनों में लगने वाले हॉर्नों का एक निर्धारित पैमाना तय किया था। बावजूद इसके नगर में पैमाने को ताक पर रखकर मनचले वाहन चालक अपनी मनमानी पर आमादा हैं।

प्रतिबंधित क्षेत्र में भी नही लग रही लगाम

जिला प्रशासन ने मुख्यालय के कई क्षेत्रो को शांत क्षेत्र घोषित किया है। फिर भी आज का युवा वर्ग इन शांत क्षेत्रो में भी अपनी हरकतों से बाज नही आ रहा है उन्हे तो अपनी मस्ती में ही चलना है। इस पर पुलिस और परिवहन विभाग भी ध्यान नही दे रहा है कि विभिन्न क्षेत्रों को शांत क्षेत्र की श्रेणी में रखा गया है लेकिन मनचलों ने यहां भी हार्नों के शोर से लोगों को हलाकान कर दिया है। जिला चिकित्सालय, उत्कृष्ट विद्यालय, न्यायालय परिसर, कलेक्टर निवास समेत अन्य शांत क्षेत्रों में भी इन हॉर्नों का हल्ला सुनाई देता रहता है। जानकार बताते हैं कि कार्यवाही के आभाव में मनचलों के हौंसले बुलंद है जिस कारण तीव्र ध्वनि वाले हॉर्न का चलन लगातार बढता जा रहा है। पुख्ता कार्यवाई कर निश्चित ही इन पर विराम लगाया जा सकता है। हालांकि कुछ दिनो पूर्व यातायात विभाग द्वारा मनचले व तेज हार्न वाले वाहनो व चालको पर कार्यवाही की थी जिसकी बदौलत कुछ दिन तक तेज आवाज कुछ कम हो गई थी, लेकिन अब स्थिति जस की तस हो गई है।

नव दुर्गा शक्ति की उपासना के साथ रक्सा-कोलमी में नई ऊर्जा का संचार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

शक्ति आराधना के शुभ पर्व पर अनूपपुर जिले के रक्सा एवं कोलमी प्रभावित ग्रामों में खुशियों और संतोष का वातावरण देखने को मिला है। न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्थापित किए जा रहे 1320 मेगावाट क्षमता के थर्मल पावर प्रोजेक्ट ने क्षेत्र के किसानों और मजदूरों के जीवन में रोजगार, विकास और आत्मनिर्भरता की नई रोशनी भर दी है। कंपनी द्वारा ग्रामीणों को 400 से 450 प्रतिदिन मजदूरी दी जा रही है, साथ ही ईएसआई और पीएफ जैसी सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं भी मुहैया कराई जा रही हैं। रक्सा और कोलमी के किसानों ने बताया कि पहले मजदूरी मात्र 250 प्रतिदिन थी, लेकिन कंपनी के आने के बाद न केवल मजदूरी दर बढ़ी है, बल्कि अब नियमित रोजगार और सुरक्षा सुविधाएं भी उपलब्ध हो रही हैं।

आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम

कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट सुधाकर पाण्डेय ने बताया कि न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ग्रामीणों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, "हमने गांव के मजदूरों को स्थानीय दर से अधिक भुगतान दिया है, जिससे उनकी आमदनी में वृद्धि हुई है। वर्तमान में लगभग 200 से 250 स्थानीय मजदूर प्रतिदिन कार्यरत हैं और जैसे-जैसे प्रोजेक्ट आगे बढ़ेगा, रोजगार के अवसर और बढ़ाए जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि कंपनी द्वारा अधिग्रहित भूमि पर किसी भी पेड़ की कटाई नहीं की गई है। बल्कि पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए वृक्षारोपण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। कंपनी के असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट सुशीलकांत मिश्रा ने जानकारी दी कि कंपनी केवल उद्योग स्थापना तक सीमित नहीं है, बल्कि गांव के सामाजिक उत्थान के लिए भी कार्यरत है। उन्होंने कहा, "हाल ही में बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। निकट भविष्य में कंपनी द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर और शैक्षणिक प्रोत्साहन कार्यक्रम भी प्रारंभ किए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि कंपनी प्रभावित किसानों और उनके परिवारों को रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं में हरसंभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

गांव की भूमि से शुरू हुआ विकास

कंपनी द्वारा अधिग्रहित भूमि पर तार फेंसिंग और बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य प्रभावित किसानों और स्थानीय मजदूरों द्वारा किया जा रहा है। इससे ग्रामीणों में रोजगार और आत्मगौरव की भावना बढ़ी है। किसानों ने कहा कि कंपनी ने उन्हें केवल मुआवजा ही नहीं दिया, बल्कि सम्मानजनक रोजगार और सामाजिक सुरक्षा भी प्रदान की है। अब रक्सा और कोलमी के लोग अपने गांवों में विकास और समृद्धि की नई कहानी लिखते दिखाई दे रहे हैं। न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि कंपनी आने वाले समय में गांवों की सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य और सामुदायिक सुविधाओं के विकास में भी योगदान देगी। कंपनी का उद्देश्य केवल ऊर्जा उत्पादन नहीं, बल्कि गांवों की सामाजिक-आर्थिक प्रगति और पर्यावरण संरक्षण है। शक्ति आराधना के इस पावन पर्व पर रक्सा एवं कोलमी ग्रामों के किसानों और ग्रामीणों में उत्साह, उम्मीद और आत्मविश्वास का माहौल है जहां पहले रोजगार की चिंता थी, अब वहां खुशहाली और आत्मनिर्भरता की नई सुबह उग आई है।

हिंदी साहित्य सम्मेलन की जिला इकाई गठित

अविनाश अग्रवाल अध्यक्ष और कुमार ध्रुव बने सचिव

हरिभूमि न्यूज भालूमाड़ा। लंबे समय से लंबित प्रयास आखिरकार रंग लाए और हिंदी साहित्य सम्मेलन की अनूपपुर जिला इकाई का गठन हो गया है। इस नई इकाई के अध्यक्ष पद पर युवा ग़ज़लकार अविनाश अग्रवाल तथा सचिव पद पर युवा लेखक कुमार ध्रुव का सर्वसम्मति से चयन किया गया। जिला इकाई के गठन को लेकर वर्षों से प्रयास किए जा रहे थे, किंतु कभी उपयुक्त व्यक्तित्व नहीं मिलने तो कभी इच्छाशक्ति की कमी जैसी वजहों से यह प्रयास अधूरा रह जाता था। इस दौरान साहित्य प्रेमी डॉ. परमानंद तिवारी और दीपक अग्रवाल भी लगातार इस कोशिश में सक्रिय रहे। अंततः मध्यप्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन की प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य संतोष कुमार द्विवेदी के मार्गदर्शन में यह पहल साकार हो सकी। अविनाश अग्रवाल, जो कोतमा में कारोबार से जुड़े हैं, समकालीन ग़ज़ल के प्रभावी और प्रगतिशील स्वर के रूप में पहचाने जाते हैं। वहीं बिजुरी निवासी कुमार ध्रुव गांधीवादी विचारधारा से प्रेरित लेखक और साहित्य अध्येता हैं। गद्य लेखन में उनकी विशेष पकड़ है और वे विभिन्न विषयों पर निरंतर लेखन करते रहते हैं। प्रगतिशील लेखक संघ के अध्यक्ष श्री गिरीश पटेल एवं सचिव रामनारायण पाण्डेय, साहित्यप्रेमी, रंगकर्मी पवन छिब्बर, आनंद पाण्डेय, सर्वोदय कर्मी, प्रखर सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश भूषण, समाजसेवी चंद्रशेखर सिंह, राष्ट्रीय युवा संगठन के राष्ट्रीय संयोजन समिति के सदस्य शिवकांत त्रिपाठी, बृजेंद्र सोनी, दीपक अग्रवाल सहित तमाम साहित्यकार और सामाजिक कार्यकर्ताओं के द्वारा दोनों नव-निर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं व्यक्त की हैं। स्थानीय साहित्यिक गतिविधियों को नई दिशा देने की उम्मीद के साथ यह इकाई जिले में हिंदी साहित्यिक परंपरा को और सशक्त बनाने की ओर अग्रसर होगी।

नवरात्र के दौरान लापरवाही पर नपे फुनगा चौकी प्रभारी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अनूपपुर पुलिस अधीक्षक मोती उर्र रहमान ने फुनगा चौकी प्रभारी उप निरीक्षक अनुराग अवस्थी को निलंबित कर रक्षित केंद्र अनूपपुर भेज दिया है। श्री अवस्थी आगामी त्योहारों के मद्देनजर कानून व्यवस्था की जांच के दौरान चौकी पर अनुपस्थित पाये गये थे। यह कार्रवाई 26 सितंबर को थाना क्षेत्रों के आकस्मिक भ्रमण के दौरान की गई। निरीक्षण के दौरान फुनगा चौकी पर उप निरीक्षक अवस्थी अपनी ड्यूटी पर मौजूद नहीं थे। जारी आदेश में कहा गया है कि संवेदनशील त्योहारों के अवसर पर थाना या चौकी प्रभारी का अपने क्षेत्र में उपस्थित न होना, कर्तव्य के प्रति लापरवाही और उदासीनता दर्शाता है। इस लापरवाही के चलते उप निरीक्षक अनुराग अवस्थी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर रक्षित केन्द्र अनूपपुर मे संबद्ध किया गया है।

नगर पालिका में कचरा प्रबंधन फेल, नपा के खिलाफ उग्र हुये लोग

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर में स्वच्छता अभियान के दावों की पोल खुल गई है। जिला मुख्यालय की नगर पालिका अनूपपुर की ओर से करोड़ों रुपए खर्च कर बनाया गया कचरा प्रबंधन केंद्र बंद पड़ा है, जिसके कारण शहर में खुले में कूड़ा फेंका जा रहा है। इससे बीमारी और प्रदूषण का खतरा बढ़ गया है। शहर का रीसाइकलिंग प्लांट और सेप्टी टैंक ट्रीटमेंट प्लांट भी बंद है। खुले में गंदगी, बदबू और सड़े हुए पशुओं के शव पड़े हैं। अस्पतालों का बायो मेडिकल वेस्ट भी बिना किसी प्रक्रिया के यहीं फेंका जा रहा है। यहीं गंदा पानी बहकर तिपान नदी में जा रहा है। इससे नदी से पानी को फिल्टर कर शहर को पीने के लिए दिया जाता है, जिससे शहरवासियों को दूषित पानी मिलने का खतरा है। पूरा इलाका रिहायशी है, जहां नवरात्रि के पंडाल लगे हैं और छात्रावास में रहने वाली छात्राएं रोज इसी रास्ते से गुजरती हैं। इसके बावजूद, सुरक्षा और स्वच्छता की जिम्मेदारी लेने को कोई तैयार नहीं है। हालात से तंग आकर स्थानीय जनता ने खुद कार्रवाई शुरू कर दी है। उन्होंने कचरा फेंकने वाली गाड़ियों को रोक दिया और नगर पालिका के खिलाफ खुला विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है।